भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2026-2027)

कक्षा - 9	विषय – हिंदी (पाठ्यक्रम-ब) पाठ्यपुस्तक – गंगा	Date – 23-05-2026
प्रश्न बैंक	पाठ: 'क्या लिखूँ? लेखक – पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी	Note: Pl. file in portfolio

नाम :__________________________अनुभाग :______अनुक्रमांक :______दिनांक: __________

प्रश्न 1: लेखक के मन में 'क्या लिखूँ?' की समस्या क्यों उत्पन्न हुई?
उत्तर: जब एक संपादक ने लेखक से एक निबंध लिखने के लिए कहा, तो लेखक के मन में यह समस्या उत्पन्न हुई क्योंकि उनके पास कोई पूर्व निर्धारित विषय नहीं था। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वे किस विषय पर लिखें।

प्रश्न 2: 'दूर के ढोल सुहावने होते हैं' का क्या आशय है?
उत्तर: इस लोकोक्ति का आशय है कि जो चीज़ें हमसे दूर होती हैं, वे बहुत आकर्षक और अच्छी लगती हैं। लेकिन जब हम उनके करीब जाते हैं, तो उनकी वास्तविक कठिनाइयों और कमियों का पता चलता है।

प्रश्न 3: लेखक को निबंध लिखने से पहले किस बात की आवश्यकता महसूस होती है?
उत्तर: लेखक को निबंध लिखने के लिए 'विशेष मानसिक अवस्था' या मानसिक प्रेरणा की आवश्यकता महसूस होती है। उनका मानना है कि बिना प्रेरणा और सही मानसिक स्थिति के कोई भी उच्च कोटि का लेखन संभव नहीं है।

प्रश्न. 4 निबंध लेखन के विषय में ए. जी. गार्डिनर और लेखक के विचारों में क्या अंतर है?
उत्तर- निबंध लेखन के विषय में ए. जी. गार्डिनर और लेखक के विचारों में अंतर- गार्डिनर कहते हैं कि लिखने के लिए एक खास मानसिक अवस्था होती है, जिसमें विचार अपने-आप आ जाते हैं और बिना ज़्यादा मेहनत के निबंध लिखा जा सकता है। लेकिन लेखक कहता है कि उसे ऐसी अवस्था नहीं मिलती, उसे लिखने के लिए बहुत सोचना और मेहनत करनी पड़ती है।

प्रश्न 5 लेखक के अनुसार वृद्ध और तरुण दोनों ही वर्तमान से असंतुष्ट रहते हैं, पर दोनों की असंतुष्टि के कारण भिन्न हैं। आपके विचार से उनकी असंतुष्टि के क्या-क्या कारण हो सकते हैं?
उत्तर- तरुण (युवा) भविष्य के सपने देखते हैं और चाहते हैं कि वे जल्दी पूरे हों, इसलिए वे वर्तमान से असंतुष्ट रहते हैं। वृद्ध लोग अपने अतीत को याद करते हैं और उसे बेहतर मानते हैं, इसलिए वे भी वर्तमान से ख़ुश नहीं होते।

प्रश्न 6 निबंधशास्त्र के आचार्यों ने आदर्श निबंध लिखने की कौन-सी युक्तियाँ सुझाई हैं? आप किसी भी विषय पर निबंध लिखने से पहले किस तरह की तैयारी करते हैं?

उत्तर– आचार्यों के अनुसार निबंध छोटा होना चाहिए, उसकी रूपरेखा पहले बनानी चाहिए और उसमें सामग्री व अच्छी शैली होनी चाहिए। निबंध लिखने से पहले हमें विषय के बारे में सोच लेना चाहिए, मुख्य बिंदु लिख लेने चाहिए और सरल भाषा में लिखने की तैयारी करनी चाहिए।

प्रश्न.7 मानटेन ने "जो कुछ देखा, सुना और अनुभव किया, उसी को अपने निबंधों में लिपिबद्ध कर दिया।" निबंध लेखन के लिए देखने, सुनने और अनुभव करने की क्या उपयोगिता हो सकती है?
उत्तर- माइकल डी मानटेन के अनुसार जो हम देखते, सुनते और अनुभव करते हैं, वही निबंध में लिखना चाहिए। इससे निबंध सच्चा और रोचक बनता है। ऐसे निबंध पढ़ने में आसान होते हैं और पाठकों को अच्छे लगते हैं।

प्रश्न 8: 'क्या लिखूँ?' निबंध में लेखक ने निबंध लेखन की प्रक्रिया को कैसे प्रस्तुत किया है?
उत्तर: लेखक ने निबंध लेखन की प्रक्रिया को हास्यपूर्ण और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया है। वे बताते हैं कि निबंध लिखना आसान नहीं होता। इसके लिए सही विचार, अनुभव और सरल भाषा की आवश्यकता होती है। अंत में लेखक कहते हैं कि अच्छा निबंध वही है जिसमें लेखक के अपने विचार और भावनाएँ हों।

प्रश्न 9: लेखक ने 'दूर के ढोल सुहावने' और 'समाज-सुधार' विषयों को किस प्रकार जोड़ा है?
उत्तर: लेखक ने बताया कि दूर की चीज़ें आकर्षक लगती हैं, पर पास आने पर उनकी कठिनाइयाँ समझ में आती हैं। इसी प्रकार समाज-सुधार की प्रक्रिया भी लगातार चलती रहती है। युवा परिवर्तन चाहते हैं, जबकि वृद्ध पुरानी परंपराओं को बनाए रखना चाहते हैं। इससे समाज में सुधार और परिवर्तन का क्रम चलता रहता है।

प्रश्न 10 : निबंध में अमीर खुसरो की कहानी का क्या महत्त्व है?
उत्तर: निबंध में अमीर खुसरो की कहानी का उल्लेख यह दिखाने के लिए किया गया है कि एक ही रचना में कई विषयों को सुंदर ढंग से समाहित किया जा सकता है। खुसरो ने चार अलग-अलग इच्छाओं को एक ही पद में पूरा किया था। उसी प्रकार लेखक भी दो अलग विषयों को एक निबंध में जोड़ देते हैं। इससे यह शिक्षा मिलती है कि रचनात्मकता और बुद्धिमत्ता से लेखन को प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

प्रश्न 11: 'क्या लिखूँ?' निबंध का केंद्रीय संदेश क्या है?
उत्तर: इस निबंध का मुख्य संदेश यह है कि निबंध लेखन केवल नियमों का पालन करने का कार्य नहीं है, बल्कि यह लेखक की भावनाओं और अनुभवों की अभिव्यक्ति है। सच्चा और प्रभावशाली निबंध वही होता है जिसमें लेखक का अपना दृष्टिकोण और मौलिकता हो। नियम सहायक होते हैं, लेकिन उन्हें कठोर बंधन नहीं बनाना चाहिए।